सीमा सड़क संगठन में कॅरिअर

के. एल. नोअटे

सीमा सड़क संगठन एक बहुपक्षीय, आधुनिक निर्माण संगठन है, जो सशस्त्र बलों की सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. इसकी भूमिका सीमा क्षेत्रों में परिचालन सड़क आधारिक संरचना का विकास करने की है और यह सीमावर्ती राज्यों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी योगदान करता है. इसकी स्थापना, देश के उत्तर-पश्चिमी तथा पूर्वोत्तर सीमा क्षेत्रों में कठिन हिमालय श्रृंखला से सड़क काटने के लिए 1960 में की गई थी.

यद्यपि मूल उद्देश्य से यह सड़क निर्माण सिविल इंजीनियरी संगठन है, जो कार्य-वार केंद्रीय या राज्य लोक निर्माण विभागों के समतुल्य है, किंतु सम्पूर्ण रूप में इसकी भूमिका भारतीय सेना के इंजीनियर कोर के सदृश है. यह ऐसे दुर्दम्य क्षेत्रों में सड़क बनाता है और उनका रख-रखाव करता है, जहां अन्य सिविल इंजीनियरी कार्य करने वाली एजेंसियां कार्य करने में अक्षम होती हैं. इस बल के रख-रखाव के लिए अपेक्षित अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा कर्मचारी आंशिक रूप से सशस्त्र बलों, विशेष रूप से इंजीनियर कोर से तथा आंशिक रूप से केवल इस बल के लिए खुले बाजार से लिए जाते हैं. कुछ अधिकारी, विशेष रूप से डॉक्टर भारतीय वायु सेना और नौसेना से भी लिए जाते हैं. इस संगठन के लिए केवल मानव कार्य करने के लिए नामांकित ट्रूप सामूहिक रूप में सामान्य रिज़र्व इंजीनियर बल या जी.आर.ई.एफ. (ग्रेफ) कहे जाते हैं. अन्य रक्षा बलों से लिए गए कार्मिक सामान्य सैन्य सेवा पर माने जाते हैं. दूसरे शब्दों में कहें तो, सीमा सड़क संगठन का अर्थ एक सम्पूर्ण विभाग से है, जबकि 'ग्रेफ' केवल सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) के परियोजना कार्यों के निष्पादन के लिए पूर्व के पूर्णकालिक नियमित कर्मचारियों, भर्ती किए गए, अनुरक्षित तथा तैनात किए गए, के सामूहिक निकाय का नाम है. संगठन का तकनीकी प्रमुख महानिदेशक, सीमा सड़क है, जो नई दिल्ली स्थित है और इंजीनियर कोर से लेफ्टिनेंट कर्नल होता है. संगठन न केवल तकनीकी रूप से योग्यताप्राप्त/प्रशिक्षित व्यवसायियों के लिए, बल्कि बाहरी जीवन की अभिरुचि रखने वाले अर्ध-कुशल तथा अकुशल युवाओं के लिए भी एक संभावित नियोक्ता है.

इकाइयों का संगठन:

सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) में सबसे छोटी स्वतंत्र कार्य इकाई सड़क निर्माण कंपनी या 'आर.सी.सी.' कही जाती है. आंचलिक लोक निर्माण विभाग के एक प्रभाग की तरह ही, किसी आर.सी.सी. की कमान अधिशासी अभियंता या मेजर के रैंक का एक अधिकारी संभालता है. इसमें नई सड़कों को काटने के लिए 'फोर्मेशन कटिंग प्लाटून', पुलियों ब्रीस्टवाल, नालों तथा मुंडेरों आदि के निर्माण के लिए 'पर्मानेंट वर्क्स प्लाटून, ड्राइववे की मैटेलिंग के लिए 'सर्फेसिंग प्लाटून' तथा निर्मित सड़कों को अच्छा बनाए रखने के लिए 'रोड मैंटेनेंस प्लाटून' जैसे कार्यशील प्लाटून शामिल हैं. इन प्लाटूनों को सहायक अधिशासी अभियंता या कैप्टन के रैंक के एक प्लाटून अधिकारी के प्रभार में रखा जाता है, जो सभी कार्यपालक, प्रशासनिक तथा वित्तीय मामलों के लिए ऑफिसर कमांडिंग आर.सी.सी. को रिपोर्ट करता है. कुछ आर.सी.सी. का समूह एक सीमा सड़क कार्यबल या 'बी.आर.टी.एफ.' बनाता है, जो स्थानीय लोक निर्माण विभाग के परिमंडल अथवा सेना के एक इंजीनियर रेजीमेंट की तरह होता है. पहले कार्य बल (बलों) की कमान एक अधीक्षण अभियंता या इंजीनियर कोर के कर्नल के अधीन होती थी. एक समूह में लाए गए कुछ बी.आर.ई.एफ. एक सीमा सड़क संगठन परियोजना का रूप लेते हैं. एक परियोजना की कमान जी.आर.ई.एफ. (ग्रेफ) का मुख्य अभियंता या इंजीनियर कोर का बिग्रेडियर संभालता है. आर.सी.सी. तथा बी.आर.टी.एफ. द्वारा अधिकतम परिणाम देने

(शेष पृष्ठ 40 पर)

सीमा सड़क ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

में सहायता के लिए संगठन में इंजीनियर स्टोर्स सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट कंपनी जैसी कुछ सामान्य सेवा इकाइयां निर्माण भंडारों के प्रापण, भंडारण, जारी करने एवं ढुलाई करने के लिए; विभागीय वाहनों के रख-रखाव एवं मरम्मत के लिए 'फील्ड वर्कशॉप' या 'फील्ड वर्कशॉप प्लाटून' और भंडारों तथा उपकरणों के बफ्फर स्टॉक धारण के लिए एसोर्टेड हिल कटिंग/रोड बिल्डिंग/अनुरक्षण सामग्री तथा बेस डिपो आदि हैं. इसके अतिरिक्त संगठन ग्रेफ पायनियर कंपनियां भी रखता है, जिनमें से प्रत्येक कंपनी में लगभग 400 पायनियर पायनियर होते हैं, जो संगठन के पैदल सिपाही (फूट सोल्जर) होते हैं. ये कर्मचारी ऐसे सभी मानवीय कार्य करते हैं, जो अन्यथा स्थानी मस्टर्ड/बाहर से लिए गए दिहाड़ी मज़दूरों द्वारा नहीं कराए जा सकते. बी.आर.ओ. (सीमा सड़क संगठन) सेना पायनियर्स का एक पूरक वर्ग भी लेता है, जो रोकड़ राशि, गोपनीय दस्तावेजों तथा अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों को लाने-ले जाने सहित सुरक्षा कार्यों के लिए अधिकृत होता है और अग्नियास्त्र (फायर आर्म्स) भी रखता है. इन सामान्य सेवा इकाइयों में विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मचारी/अधिकारी रखे जाते हैं. गैर तकनीकी प्रशासनिक अधिकारी ग्रेफ (जी.आर.ई.एफ.) पायनियर कंपनियों को कमांड करते हैं. मेडिकल स्टेजिंग अनुभाग तथा चिकित्सा निरीक्षण कक्ष बीमार तथा ग्रस्त टूपों का इलाज करते हैं, जबकि डेंटल ऑफिसर उसकी टीम, अग्रवर्ती क्षेत्रों में तैनात सड़क निर्माण टूपों के दांतों की जांच एवं उपचार के लिए एक कैंप से दूसरे कैंप जाता है. प्रत्येक बी.आर.ओ. परियोजना में वायरलेस कम्युनिकेशन नेटवर्क के लिए एक सिग्नल अधिकारी रखा जाता है, सरकारी डाक तथा टूपों की निजी डाक लाने-ले जाने के लिए एक डाक इकाई कार्य करती है. संगठन में आंतरिक तथा बाहरी सुरक्षा की देखभाल के लिए एक परियोजना में प्रोवोस्ट यूनिट नामक एक और संस्थापना होती है.

शासी विनियम:

जी.आर.ई.एफ. (ग्रेफ) अधिकारियों तथा कर्मचारियों को साथ-साथ दो पृथक नियमों द्वारा शासित किया जाता है. भर्ती, छुट्टी, वेतन एवं भत्तों तथा सेवानिवृत्ति या डिस्चार्ज आदि के लिए वे केंद्रीय सिविल सेवा विनियमों के अधीन शासित होते हैं. तथापि, अनुशासन के उद्देश्य से उन्हें विशेष रूप से ग्रेफ के अनुकूल कुछ अनिवार्य संशोधनों के साथ सेना अधिनियम, 1950 के अंतर्गत भी लाया जाता है/लाया जा सकता है. सेना अधिनियम का अनुप्रयोग ग्रेफ कार्मिकों को, सशस्त्र बलों के अन्य स्कंधों के कार्मिकों के हक जैसे अनेक लाभों का हकदार बनाता है.

ग्रेफ अधिकारियों का संवर्ग :

ग्रेफ के अधिकांश अधिकारी सिविल इंजीनियर और उनके बाद वैद्युत एवं यांत्रिक होते हैं. ये दोनों समूह सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा में संघटित होते हैं. इनसे कम संख्या में अगले सशक्त समूह ग्रेफ प्रशासनिक अधिकारियों तथा चिकित्सा अधिकारियों के हैं.

ट्रेड्समेन के वर्ग:

ग्रेफ की अधिकांश कार्यशील संख्या में, सड़कों तथा भवनों के निर्माण पर तैनात टूपों की होती है. वे पायनियर, मेसन, ड्रिलर, डोजर ऑपरेटर, कम्प्रेसर ड्राइवर, मैकेनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, कारपेंटर मेट, लीडिंग हैंड्स, ओवरसियर आदि होते हैं.

उक्त सड़क निर्माण टूपों में लिपिक, नर्सिंग सहायक, वायरलेस ऑपरेटर, सफाई वाले, रसोइए आदि भी होते हैं, जो कार्यालयों तथा कैंपों में प्रशासन चलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं.

भर्ती:

ग्रेफ अधिकारियों की भर्ती, संगठन के प्रमुख द्वारा बताई गई आवश्यकता के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित की जाती है. बी.आर.ई.एस. अधिकारियों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा एक अखिल भारतीय इंजीनियरी सेवा प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से की जाती है. अन्य संवर्गों के अधिकारियों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग केवल साक्षात्कार के माध्यम से करता है. इसके अतिरिक्त, संगठन में निम्न रैंकों पर कार्यरत अधिकारी बड़ी संख्या में विभागीय पदोन्नतियों के माध्यम से उच्च पदों पर आते हैं.

ग्रेफ अधीनस्थ विभिन्न वर्गों की भर्ती महाराष्ट्र में पुणे स्थित कमांडेंट, ग्रेफ सेंटर एवं रिकॉर्ड द्वारा केंद्रीय रूप में की जाती है. जबकि अधिकारी संवर्ग की रिक्तियां संघ लोक सेवा आयोग देश के अग्रणी समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञापित करता है और अधीनस्थ संवर्गों की भर्ती, ग्रेफ समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर करता है.

वेतन एवं भत्ते:

वेतन एवं भत्तों के मामले में, सेवाओं के अधिकारी तथा कार्मिक, रक्षा सेवाओं की अपनी संबंधित मूल शर्तों द्वारा और ग्रेफ (जी.आई.ई.एफ.)टूप केंद्रीय सरकार के वेतनमानों द्वारा शासित होते हैं.

केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को उपलब्ध सभी सेवा-लाभ ग्रेफ कार्मिकों पर भी लागू होते हैं. इसलिए बाल शिक्षा भत्ता, छुट्टी यात्रा रियायत, केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, सामान्य भविष्य निधि, मकान किराया भत्ता, सरकारी आवास आवंटन, उपदान आदि जैसे सभी लाभ ग्रेफ कार्मिकों को, अन्य केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लगभग समान ही देय होते हैं. सीमा सड़क संगठन का कार्य दूरवर्ती क्षेत्रों में होने के कारण, इन कठिन क्षेत्रों में अपनी तैनाती के दौरान टूप्स, बड़ी संख्या में कार्य-स्थानों पर दूरवर्ती स्थान भत्ता या विशेष प्रतिपूरक भत्ता अपने वेतनमान तथा कार्य स्थान के अनुसार परिवर्तनीय दरों पर लेने के हकदार होते हैं. अंडमान एवं निकोबार तथा या पूर्वोत्तर क्षेत्र, लद्दाख आदि में तैनात टूप्स एक अतिरिक्त भत्ता प्राप्त करते हैं.

ग्रेफ कार्मिक केंद्रीय सरकारी सेवा के उक्त लाभों के अतिरिक्त निःशुल्क राशन तथा कैंटीन सुविधाओं के लाभ भी प्राप्त करते हैं.

पदोन्नति के अवसर:

चूंकि सीमा सड़क संगठन एक रक्षा उन्मुखी सिविल इंजीनियरी संगठन है, इसलिए सिविल इंजीनियर अधिकारी पदोन्नति के बहुत अच्छे अवसर प्राप्त करते हैं. एक सीधे भर्ती ए.ई.ई. (सिविल) अपर डी.जी.बी.आर. के पद तक जा सकता है. संगठन में सहायक अधिशासी अभियंता (ए.ई.ई.) के रूप में कार्य ग्रहण करने वाले वैद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियर मुख्य अभियंता के पद तक पदोन्नत हो सकते हैं. चिकित्सा अधिकारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस.जी.) के रैंक तक तथा प्रशासनिक अधिकारी निदेशक (प्रशासन) के पद तक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं. पदोन्नति के कम अवसर वाले अधीनस्थ कार्मिक समयबद्ध उच्च वेतनमान प्राप्त करते हैं.

कोई भी मेहनती व्यक्ति, जो बाहरी कार्य के प्रति उत्साह, देश भक्ति की भावना तथा मातृभूमि की सेवा करने की अभिलाषा रखता है, एक संगठित (यूनिफोर्म्ड)/अनुशासनिक संस्था से जुड़ने में गर्व अनुभव करता है, उसके लिए अपने उत्कृष्ट कॅरिअर के सपनों को साकार करने के लिए सीमा सड़क संगठन एक श्रेष्ठ विकल्प है.

लेखक सीमा सड़क संगठन के पूर्व निदेशक, (विधिक एवं शिकायत) हैं.

ईमेल: kinoatay@yahoo.com